vk
दूरभाष संख्या : 2201013
फैक्स : 2201001
ई.मेल : nalopuni@sancharnet.in

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

तृतीय तल, बिस्कोमान भवन, गाँधी मैदान, पटना-800001

पत्रांक-एन०ओ०यू०/आर०ई०/..... / दिनांक 2014

शिक्षक दिवस समारोह

आज दिनांक 05.09.2014 को नालन्दा खुला विश्वविद्याल के सभा कक्ष में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया । इस सेमिनार में बिहार एवं झारखंड के पूर्व मुख्यसचिव तथा नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री वी०एस०दुबे, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए । सेमिनार की अध्यक्षता, नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० आर०बी०पी०सिंह ने की । सभा में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिकुलपति एवं पटना कॉलेज के सेवानिवृत प्राचार्य, डॉ० आर०पी०सिंह राही ने भाग लिया । सभा का संचालन डॉ० भूपेन्द्र कलसी एवं धन्यवाद ज्ञापन, डॉ० एस०पी०सिन्हा, कुलसचिव, ना०खु०वि० ने किया ।

सेमिनार के प्रारंभ में सभी अतिथियों ने डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने तस्वीर पर माल्यार्पण किया । अतिथियों का स्वागत करते हुए नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति, डॉ० राम प्रकाश उपाध्याय ने कहा कि डॉ० कृष्णन का व्यक्तित्व एवं उनका कृतित्व हमलोगों के लिए अनुकरणीय है । राधा कृष्णन न केवल भारतीय दर्शन के विद्वान थे, बल्कि व्यक्तिगत आचरण एवं कोमल हृदय के कारण लोगों के बीच में बड़े ही लोकप्रिय थे ।

मुख्य अतिथि के रूप में श्री वी०एस०दुबे ने यह बताया कि उनके शैक्षिक कार्यकाल के दौरान डॉ० कृष्णन को उन्हें पाँच बार सुनने का मौका मिला । श्री दुबे ने अपने संस्मरण के आधार पर यह बताया कि डॉ० कृष्णन, भारतीय दर्शन के बहुत बड़े विद्वान थे । गीता पर उनकी कृति भारतीय परिप्रेक्ष्य में धरोहर के रूप में माना जाता है ।

इसी संदर्भ पर श्री दुबे ने महाभारत एवं गीता एवं अन्य स्थानों पर यहाँ तक की जीवन में भी अंक 9 की महत्ता पर प्रकाश डाला । गीता में कर्त्तव्य एवं कर्त्तव्यपरायणता की जो वृहत चर्चा की गई है, उसका जीवन में अनुसरण करने की शिक्षा दी ।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ० आर०पी०सिंह राही ने डॉ० राधा कृष्णन के जीवन से सम्बन्धित कई वृत्तांत को लोगों के बीच रखा और यह बताया कि पटना विश्वविद्यालय के स्व० डॉ० अनिरूद्ध झा, डॉ० राधाकृष्णन के शिष्य थे और उनके विभागाध्यक्ष के रूप में उन्होंने प्रथम श्रेणी से प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० रास बिहारी प्रसाद सिंह ने गुरू-शिष्य परम्परा की चर्चा करते हुए अत्यधिक भावुक हो गए । उन्होंने अपने जीवन के वृत्तांतों से श्रोताओं को अवगत कराया और कहा कि गुरू का व्यक्तित्व, जीवन में बहुत महत्व रखता है ।

vk
दूरभाष संख्या : 2201013
फैक्स : 2201001
ई.मेल : nalopuni@sancharnet.in

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

तृतीय तल, बिस्कोमान भवन, गाँधी मैदान, पटना-800001

पत्रांक-एन०ओ०यू०/आर०ई०/..... / दिनांक 2014

प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिये कि गुरू के कार्यों का अनुकरण करें । उन्होंने यह भी बताया कि आज नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के प्रांगण में उनके गुरू भी उपस्थित हैं और इसी प्रांगण में गुरू की पुत्री भी गुरू के रूप में उपलब्ध हैं । यह एक बहुत ही विस्मयकारी और अद्‌भुत संयोग है, जिसपर नालन्दा खुला विश्वविद्यालय को बहुत गर्व है । तीन पीढ़ियों को एक साथ लेकर यह चलने वाला यह विश्वविद्यालय, दूर शिक्षा पद्धति पर आधारित होते हुए भी, गुरू-शिष्य परम्परा के निर्वहन में सार्थक सिद्ध हुआ है ।

सभा के अंत में डॉ० एस०पी०सिन्हा, कुलसचिव ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए यह कहा कि नालन्दा खुला विश्वविद्यालय में इसकी स्थापना से लेकर आज पहली बार शिक्षक दिवस के समारोह का आयोजन किया गया है । श्रोताओं, शिक्षकों एवं कर्मियों को इस शुभ अवसर पर उपस्थित रहने पर उनका धन्यवाद ज्ञापन किया ।

कुलसचिव(प०)